एस. डबल्यू. ओ. सी. (SWOC)

(Strength)

- श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग अकादमिक क्षमता से समृद्ध है जिसमें, एक प्रतिष्ठित और समर्पित संकाय शामिल है, जो अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और शिक्षण कौशल के लिए प्रतिबद्ध है।
- हमारी शिक्षण प्रक्रिया न केवल विषय के सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित है बल्कि भाषा शिक्षण, अनुवाद और भाषा दक्षता जैसे विभिन्न क्षेत्रों के व्यावहारिक पहलुओं के साथ छात्रों को समृद्ध करती है जिसमें, 'प्रूफ़ रीडिंग' और संपादन शामिल है | यह प्रकाशन क्षेत्र में रोज़गार दिलवाने में सहायक होता है।
- विभाग छात्रों को एक्सपोजर देने के लिए शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए पूरे सत्र में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। महत्वपूर्ण विषयों पर वार्ता और वेबिनार, प्रतियोगिताएं जैसे वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर बनाना, कहानी और कविता लेखन, 'एक्सटेम्पोर', 'ऐड-ऑन कोर्स' आदि कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं जो पूरे सेमेस्टर में की जाती हैं।
- विभाग सकारात्मक शिक्षक-छात्र वातावरण और छात्रों के साथ समन्वय बनाए रखता है और टीम वर्क में विश्वास रखता है।

कमजोरियाँ (Weaknesses)

- विभाग वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है, सभागार की अनुपलब्धता के कारण कॉलेज बड़ी संख्या में दर्शकों को समायोजित करने में असमर्थ है।
- बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण शिक्षकों के पास अलग से फैकल्टी रूम नहीं हैं।
- मुख्य कमजोरी जो कॉलेज को झेलनी पड़ती है, वह है उचित बुनियादी ढांचा नहीं होना, जो विभाग द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के आयोजन में बाधक है।

अवसर (Oppurtunity)

- केंद्र/राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों और इकाइयों में हिंदी अधिकारी, हिंदी अनुवादक, हिंदी सहायक, प्रबंधक (राजभाषा) जैसे विभिन्न पद हैं। इस कोर्स के साथ स्नातक होने के बाद छात्रों को इन प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की पात्रता मिलती है।
- निजी टीवी और रेडियो चैनलों के आगमन और स्थापित पत्रिकाओं / समाचार पत्रों के 'हिंदी एप्लीकेशन्स' के लॉन्च के साथ अवसर कई गुना बढ़ गए हैं। हिंदी मीडिया के क्षेत्र में संपादकों, रिपोर्टरों, संवाददाताओं, उप संपादकों, प्रूफ रीडर्स, रेडियो जॉकी, एंकर आदि की आवश्यकता है। पत्रकारिता/जनसंचार में डिग्री/डिप्लोमा के साथ-साथ हिंदी में शैक्षणिक योग्यता सहायक सिद्ध होती है। जो छात्र इन क्षेत्रों में भविष्य बनाने के इच्छुक हैं वे एक पटकथा लेखक/संवाद लेखक/गीतकार के रूप में रेडियो/टीवी/सिनेमा में आवेदन कर सकते हैं | इस क्षेत्र में रचनात्मक लेखन में महारत की आवश्यकता होती है अतः रचनात्मक लेखन में डिग्री/डिप्लोमा लेखन शैली को बेहतर बनाने में सहायक होता है ।
- हिंदी भाषा में स्नातकोत्तर करने वालों के लिए विदेशों में नौकरी का अवसर है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने अपनी पीएच.डी. हिंदी साहित्य में की हो | कुछ विदेशी देशों द्वारा इसे व्यवसाय की भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान पढ़ाने के अवसर काफ़ी बढ़ रहे हैं । भारत में शिक्षक और प्रोफ़ेसर के रूप में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाने का पारंपरिक विकल्प हमेशा चुना जा सकता है।

<u>चुनौतियाँ (Challanges)</u>

- 'हिन्दी साहित्य' जैसे विषय में विविध विषयों की पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों की रुचि पैदा करना एक चुनौती है।
- इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह एक 'ऑफ-कैंपस कॉलेज' है, यहाँ सर्वोत्तम सुविधाएँ प्रदान करने के लिए सभी संभव प्रयास किए गए हैं, लेकिन कॉलेज के सुचारू कामकाज और छात्रों की गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए अभी भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है, उदाहरण के लिए विशाल संगोष्ठी/ सभागार कक्ष की निर्मिति ।

- ऑनलाइन माध्यम में शिक्षण हेतु संकाय को प्रशिक्षण देने और छात्र अनुशासन बनाए रखने के संबंध में एक प्रारंभिक चुनौती पेश की है ।